Important Questions Class 8 Hindi Chapter 11 सूरदास के पद

प्रश्न 1. श्रीकृष्ण किस पर चढ़ कर माखन चुराते थे?

उत्तर – श्रीकृष्ण ऊखल पर चढ़ कर माखन चुराते थे।

प्रश्न 2. 'सूरदास के पद' में किस भाषा का प्रयोग हुआ है?

उत्तर – 'सूरदास के पद' में ब्रजभाषा का प्रयोग हुआ है।

प्रश्न-3 श्रीकृष्ण दोपहर में माखन क्यों चुराते थे?

उत्तर – दोपहर के समय घर सूना होता था। सब अपने – अपने काम पर चले जाते थे इसलिए श्रीकृष्ण दोपहर में माखन चुराते थे।

प्रश्न-4 बालक श्रीकृष्ण किस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हुए?

उत्तर – बालक श्रीकृष्ण इस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हुए कि उनके बालों की चोटी भी बलराम भाई की चोटी के समान लंबी और मोटी हो जाएगी। उनकी चोटी भी नागिन की समान लोटती दिखाई देगी।

प्रश्न-5 श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या-क्या सोच रहे थे?

उत्तर – श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में सोच रहे थे कि इतने समय से वह दूध पी रहे हैं फिर भी उनकी चोटी छोटी है, कब उनकी चोटी बलराम भैया की तरह लंबी और मोटी होगी? कब उनकी चोटी नागिन की तरह लहराने लगेगी?

प्रश्न-6 'तैं ही पूत अनोखौ जायौ'- पंक्तियों में ग्वालन के मन के कौन-से भाव मुखरित हो रहे हैं?

उत्तर – यहाँ पर ग्वालन के हृदय में यशोदा के लिए क्रोध के भाव मुखरित हो रहे हैं। ग्वालिन माँ यशोदा को उलाहना देते हुए कहती हैं कि उनका पुत्र अनोखा है कि मना करने पर भी चोरी करता है और पकड़े जाने पर अपनी गलती नहीं मानता।

प्रश्न-7 दोनों पदों में से आपको कौन-सा पद अधिक अच्छा लगा और क्यों?

उत्तर – दोनों पदों में प्रथम पद सबसे अच्छा लगता है। इस पद में श्रीकृष्ण का अपनी माता से नाराज़गी व्यक्त करना, दूध न पीने का हट करना, दाउ (बलराम) भैया की तरह चोटी पाने का हट करना हृदय को बड़ा ही आनंदित करता है।

प्रश्न-8 मक्खन चुराते और खाते समय श्रीकृष्ण थोड़ा-सा मक्खन बिखरा क्यों देते हैं?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर – मक्खन थोड़ी ऊँचाई पर रखा होता था, जिस तक पहुँचने में श्रीकृष्ण को कठिनाई होती थी। वह माखन चुराते समय आधा माखन खुद खाते थे व आधा अपने सखाओं (मित्रों) को खिलाते थे । यही कारण था कि थोड़ा-सा मक्खन ज़मीन पर बिखरा होता था।

प्रश्न 9. चोटी न बढ़ने पर बालक कृष्ण माता यशोदा से क्या शिकायत करते हैं?

उत्तर – चोटी न बढ़ने पर बालक कृष्ण माता यशोदा से शिकायत करते हैं कि माँ तू मुझसे कहती थी की जैसे बलराम भैया की लंबी-मोटी चोटी है, मेरी भी वैसी हो जायेगी। तू मेरे बाल बनाती है, इन्हें धोती है पर यह नागिन की तरह भूमि पर क्यों नहीं लोटती। तू मुझे सिर्फ बार-बार दूध पिलाती है, मक्खन व रोटी खाने को नहीं देती। इसलिए ये बड़ी नहीं होती।

प्रश्न 10. गोपियों द्वारा माता यशोदा से कृष्ण की, की गई शिकायत को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर – बालक कृष्ण की शरारतें तथा प्रतिदिन माखन चुराने की आदत से तंग होकर गोपियाँ यशोदा के पास शिकायत करने आती है कि कृष्ण दोपहर के समय हमारे सुनसान घर में आते हैं और दरवाजा खोलकर उसमे घुस जाते हैं और वह ओखली पर चढ़कर छींके पर रखा गोरस उतार लेते हैं, मक्खन जी भर खाते हैं तथा अपने मित्रों को भी खिला देते हैं और बहुत सारा मक्खन भूमि पर गिरा देते हैं। जिससे हर रोज़ दूध-दही का नुकसान हो जाता हैं।

प्रश्न 11. गोपियाँ यशोदा पर क्या आरोप लगाती है?

उत्तर – गोपियाँ यशोदा पर आरोप लगाकर कहती है कि यह आपका कैसा बेटा है जो हमें सताता है। तुमने अपने बेटे को क्या सिखाया है। इसे मना क्यों नहीं करती हो। लगता है कि तुमने सबसे अनोखे बेटे को जन्म दिया है।

प्रश्न 12. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ बताइए- ढूँढ़ि, जायौ, सींके, ढरकायौ , काचौ, पियावति, अजहूँ

उत्तर –
ढूँढ़ि का अर्थ – खोजकर
जायौ का अर्थ – जन्म देना
सींके का अर्थ – छिका
ढरकायौ का अर्थ – गिरना
काचौ का अर्थ – कच्चा
पियावति का अर्थ– पिलाती
अजहूँ का अर्थ – आज भी

https://www.evidyarthi.in/